ISSN No.2349-4190

शोधायतन

वाणिज्य, कला, शिक्षा, समाजशास्त्र तथा ह्यूमेनिटीज पर
रबिन्द्रनाथ टेगोर विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका

Shodhaytan

Rabindranath Tagore University Journal of Commerce, Arts, Education, Sociology and Humanities

Vol.-V / Issue-IX June-2018

शोध के चक्र ज्ञान का मार्ग रचें, लेकिन पहुंचाए सामाजिक सशक्तीकरण तक

Approved By **UGC**

Published By

Rabindranath
TAGORE UNIVERSITY™
MADHYA PRADESH, BHOPAL (Formerly known as AISECT University)
AN AISECT GROUP UNIVERSITY
Approved by : AICTE, NCTE, BCI, INC, M.P. PARAMEDICAL COUNCIL | Recognized by : UGC | Member of : AIU

Village-Mendua, Post-Bhojpur, Distt. Raisen (M.P.) India Pin-464993
City Office: 3rd Floor, Sarnath Complex, Opposite Board Office, Shivaji Nagar Bhopal-462016
www.aisectuniversity.ac.in

RABINDRANATH TAGORE UNIVERSITY

UGC Approved Journals

Shodhaytan (AUJ-STN)

- Multidisciplinary Academic Research

Indexing and Impact Factor :

INDEX COPERNICUS : 48609 (2018)

Read / Download More Articles

भारतीय बैंको की वित्तीय निष्पादन क्षमता का विश्लेषण (चयनित बैंको का एक अध्ययन)

Amit Singh[1]*, Dr. Laxminarayan Koli[2]

[1] Research Students, Dayal Bagh Education Institute, Deemed University, Agra (UP) India

[2] Professor, Department of Accounting and Law, Faculty of Commerce, Dayalbagh Institute of Education, Deemed University, Agra (UP) India

प्रस्तावना

भारत में भी बैंकिंग का इतिहास पुराना है। मनुस्मृति में ब्याज के बदले राशि उधार देने के पर्याप्त संकेत मिलते हैं। मौर्य काल में विनिमय पत्र, जिन्हें आदेश कहा जाता था, निर्गत किए जाते थे। बौद्ध काल में इन लिखतों का व्यापक उपयोग होता था। बड़े शहरों में व्यापारी एक दूसरे के लिए साख पत्र निर्गत करते थे। लोग अपनी बचत राशि को इन महाजनों के पास जमा करते थे तथा जमा राशि पर महाजन को ब्याज भी देते थे। महाजन धनराशि को उधार देते थे तथा उधार दी हुई राशि पर ब्याज वसूल करते थे। मुगल सम्राटों ने महाजनों और साहूकारों को कर वसूली के अधिकार दिए थे। आधुनिक बैंकों के आगमन के पहले महाजन बैंकिंग का काम करते थे।

इस तरह हम देखते हैं कि भारतवर्ष में बैंकिंग प्रथा बहुत लम्बे समय से प्रचलित रही है। अंग्रेजों के आने तक भारत में देशी बैंकिंग व्यवस्था चलती रही। जैसे-जैसे ईस्ट इण्डिया कम्पनी का प्रभाव देश पर बढ़ने लगा, यह व्यवस्था टूटने लगी। ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने अपने अभिकर्ता गृह की स्थापना की। भारत में आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था इन्हीं अभिकर्ता गृहों से आय होती है। ये गृह अपनी अन्य व्यवस्थाओं के साथ-साथ जमाराशि स्वीकार करते थे तथा व्यापारिक एवं औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करते थे।

वैश्विक स्तर पर किसी भी विकासशील राष्ट्र की वित्तीय व्यवस्था में बैंकिंग पद्धति केन्द्रीय बिन्दु है। किसी देश की अर्थव्यवस्था के विकास मे उस देश के वित्तीय क्षेत्र का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। अर्थव्यवस्था की वित्तीय क्षेत्र व प्रणाली में बैकों की अहम और महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बैंकिंग क्षेत्र के वित्तीय प्रर्दशन का मूल्यांकन अर्थव्यवस्था की वित्तीय और आर्थिक प्रणाली की सुदृढ़ता मापने का आवश्यक और कुशल उपाय है। यह वित्तीय क्षेत्र की प्रगति का संकेतक भी है। बैंक की वित्तीय निष्पादन क्षमता न केवल बैंक के जमाकर्ताओं के नजरिये

से महत्वपूर्ण है बल्कि निवेशको, कर्मचारियों, सरकार, उद्योगपति व निर्माताओं और अर्थव्यवस्था के नजरिये से भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वित्तीय निष्पादन क्षमता बैक के लाभ हानि खाते और बैंक के आर्थिक चिट्टों की मदो के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है।

वित्तीय निष्पादन क्षमता बैक के बीच प्रतिस्पर्धा का परिक्षण करने का एक अच्छा उपाय है। बैंकों को अपनी वित्तीय स्थिति और भविष्य की संभावनाओं को समझाने के लिए सही व सटीक रूप से वित्तीय निष्पादन क्षमता का मूल्यांकन करना चाहिए।

शोध अध्ययन का उद्देश्य

(क) चयनित बैंकों की वित्तीय निष्पादन क्षमता का अध्ययन और विश्लेषण करना।

शोध अध्ययन की परिकल्पना

H_{01}: चयनित बैंकों की पूंजी पर जोखिम भारित आस्तियों के अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{02}: चयनित बैंकों की कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{03}: चयनित बैंकों की शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपातमें कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{04}: चयनित बैंकों की समता पर प्रत्याय में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{05}: चयनित बैंकों की संपत्ति पर प्रत्याय में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{06}: चयनित बैंकों की लागत का आय पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{07}: चयनित बैंकों की शुद्ध ब्याज सीमांत में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{08}: चयनित बैंकों की तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

H_{09}: चयनित बैंकों की तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

शोध अध्ययन की कार्यविधि

शोध अध्ययन में दो सार्वजनिक क्षेत्र एवं दो निजी क्षेत्र के बैंकों का चयन किया गया है।

(क) सार्वजनिक क्षेत्र-एसबीआई और पीएनबी

(ख) निजी क्षेत्र-आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक

समंक

यह शोध अध्ययन पूर्ण रुप से द्वितीयक समंकों पर निर्भर करता है। शोध अध्ययन के उद्वेश्यों की पूर्ति के लिए द्वितीयक समंकों का संग्रहण विभिन्न शोध ग्रन्थों, पुस्तकों, मैग्जीनों, पत्र-

पत्रिकाओं, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और पीएनबी द्वारा जारी की गई वार्षिकी रिपोटों से किया गया है।

विश्लेषण

आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और पीएनबी से प्राप्त आँकड़ो का विश्लेषण प्रबन्धकीय तकनीक (अनुपात विष्लेषण) द्वारा किया गया है।

"अनोवा" टेस्ट विश्लेषण

शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं की वैधता की जाँच सांख्यिकीय तकनीक "अनोवा" टेस्ट के आधार पर की गई है।

शोध अध्ययन की अवधि

शोध अध्ययन में वर्ष 2004-05 से 2016-17 तक (13 वर्षो) के प्रकाशित समंको का प्रयोग किया गया है।

जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात- जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात का तात्पर्य जोखिम वाली आस्तियों (दिए गए उधारों) के मुकाबले बैंक के पास उपलब्ध खुद की पूँजी और प्रारक्षित निधियों के अनुपात से है। जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात की गणना निम्न प्रकार की जाती हैं –

$$= \frac{\text{कुल पूंजी (टियर–I + टियर –II)}}{\text{कुल जोखिम भारित आस्तियां}} \times$$

कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात- यह कुल संपत्ति के लिए कुल अग्रिमों का अनुपात है। यह अनुपात बैंकों द्वारा ऋण देने की आक्रामकता को दर्शाता है। कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपातकी गणना निम्न प्रकार की जाती हैं -

$$= \frac{\text{कुल अग्रिम}}{\text{कुल संपत्ति}} \times 100$$

शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपात- शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपात की गणना के समय सकल गैर निष्पादित संपत्ति में से गैर निष्पादित संपत्ति के लिए किये गये प्रावधानों और उचंत खाते की ब्याज को घटा कर शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति की गणना की जाती है। शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपातकी गणना निम्न प्रकार की जाती हैं-

$$= \frac{\text{कुल अग्रिम}}{\text{कुल संपत्ति}} \times 100$$

समता पर प्रत्याय- समता पर प्रत्याय की दर समता अंशधारियों की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अनुपात माना जाता है, क्योंकि समता अंशों पर लाभांश समता अंशधारियों के लिए उपलब्ध लाभ पर निर्भर करता है। समता पर प्रत्याय की गणना निम्न प्रकार की जाती हैं -

$$= \frac{\text{शुद्ध लाभ}}{\text{कुलसमता पूंजी}} \times 100$$

संपत्ति पर प्रत्याय - संपत्ति पर प्रत्याय अनुपात बैंक द्वारा अपनी संपत्तियों के उपयोग करने की क्षमता को दर्शाता हैं। उच्च अनुपात बैंक द्वारा अपनी संपत्तियों के अच्छे व बेहतर उपयोग को दर्शाता हैं। संपत्ति पर प्रत्याय अनुपातकी गणना निम्न प्रकार की जाती हैं -

$$= \frac{\text{शुद्ध लाभ} \quad \text{x } 100}{\text{कुल संपत्ति}}$$

लागत का आय पर अनुपात- लागत का आय पर अनुपात की गणना परिचालन व्यय को परिचालन आय से विभाजित करके की जाती है। यह अनुपात बैंक की लागत के सम्बन्ध में उसकी आय को दर्शाता हैं। लागत का आय पर अनुपात की गणना निम्न प्रकार की जाती हैं -

$$= \frac{\text{कुल लागत} \quad \text{x } 100}{\text{कुल आय}}$$

शुद्ध ब्याज सीमांत - शुद्ध ब्याज, ब्याज आय में से ब्याज व्यय को घटाकर प्राप्त की जाती है। शुद्ध ब्याज को कुल सम्पति के प्रतिशत के रूप मे व्यक्त करने को ही शुद्ध ब्याज सीमांत कहते है। शुद्ध ब्याज सीमांत की गणना निम्न प्रकार की जाती हैं -

$$= \frac{\text{शुद्ध ब्याज आय} \quad \text{x } 100}{\text{कुल संपत्ति}}$$

तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात- यह अनुपात बैंक कि सम्पूर्ण तरल स्थिति को दर्शाता है। यह अनुपात तरलता का प्रतिक है, जो यह दर्शाता है कि बैंक अपने समस्त वित्तीय दायित्वों को समय पर पूरा करने में सक्षम है। तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात की गणना निम्न प्रकार की जाती हैं –

$$= \frac{\text{तरल संपत्तियाँ x } 100}{\text{कुल संपत्तियाँ}}$$

तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात- यह अनुपात बैंक में जमा जमाकर्ताओं की जमा के लिए उपलब्ध तरलता को मापता है। तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात की गणना निम्न प्रकार की जाती हैं-

$$= \frac{\text{तरल संपत्तियाँ x } 100}{\text{कुल जमा}}$$

चयनित बैंकों की वित्तीय निष्पादन क्षमता का विश्लेषण

जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच डी एफ सी बैंक	आई सी आई सी आई बैंक
2004-05	12.45	14.78	12.16	11.78
2005-06	11.88	11.95	11.41	13.35
2006-07	12.34	12.29	13.08	11.69
2007-08	13.54	13.46	13.60	13.96
2008-09	14.25	14.03	15.69	15.53
2009-10	13.39	14.16	17.44	19.41
2010-11	11.98	12.42	16.22	19.54
2011-12	13.86	12.63	16.52	18.52
2012-13	12.92	12.72	16.80	18.74
2013-14	12.44	11.52	16.07	17.70
2014-15	12.00	12.21	16.79	17.02
2015-16	13.12	11.28	15.53	16.64
2016-17	13.11	11.66	14.55	17.39
माध्य	12.87	12.70	15.07	16.25

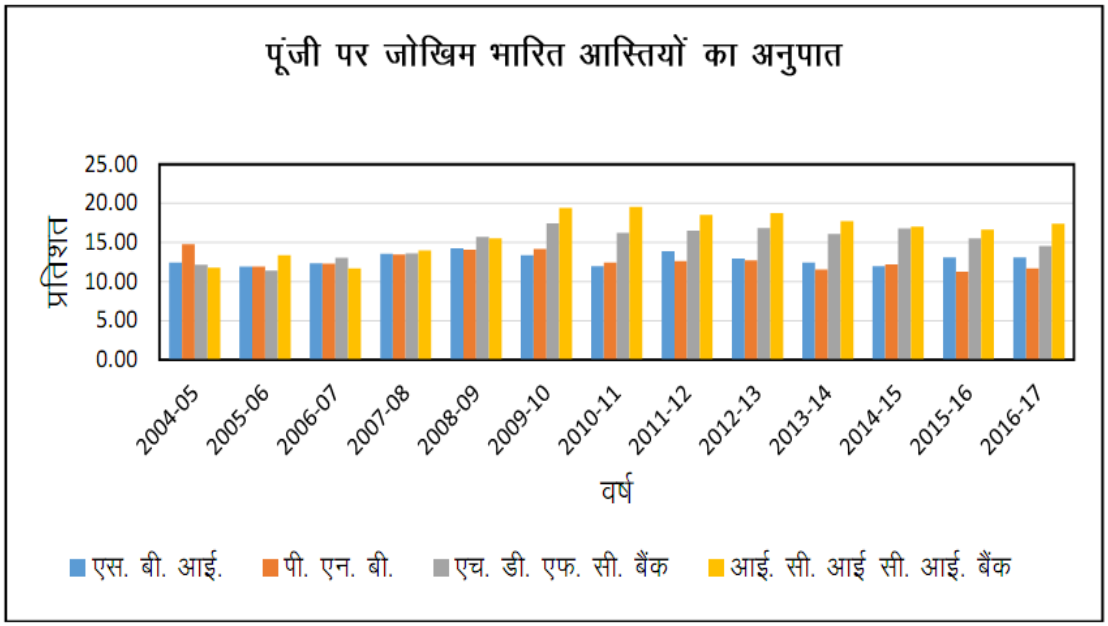

निर्वाचन - उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि पूंजी पर जोखिम भारित आस्तियों का अनुपात वर्ष 2015-16 में पीएनबी का 11.28% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है तथा वर्ष 2010-11 में आईसीआईसीआई बैंक का पूंजी पर जोखिम भारित आस्तियों का अनुपात 19.54% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है।

H_{01}: चयनित बैंकों की पूंजी पर जोखिम भारित आस्तियों के अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.00 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकों की पूंजी पर जोखिम भारित आस्तियों के अनुपात में सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	44.01	47.9	49.7	54.5
2005-06	52.99	51.4	47.7	58.1
2006-07	59.54	59.5	51.5	56.8
2007-08	57.76	60.0	47.6	56.4
2008-09	56.25	62.7	54.0	57.6
2009-10	59.99	62.9	56.6	49.9
2010-11	61.84	64.0	57.7	53.3
2011-12	64.96	64.1	57.8	51.9
2012-13	66.76	64.5	59.9	54.1
2013-14	67.48	63.5	61.6	57.0
2014-15	63.48	63.1	61.9	60.0
2015-16	62.08	61.8	62.7	60.4
2016-17	58.06	58.2	64.2	60.1
माध्य	59.63	60.26	56.37	56.16

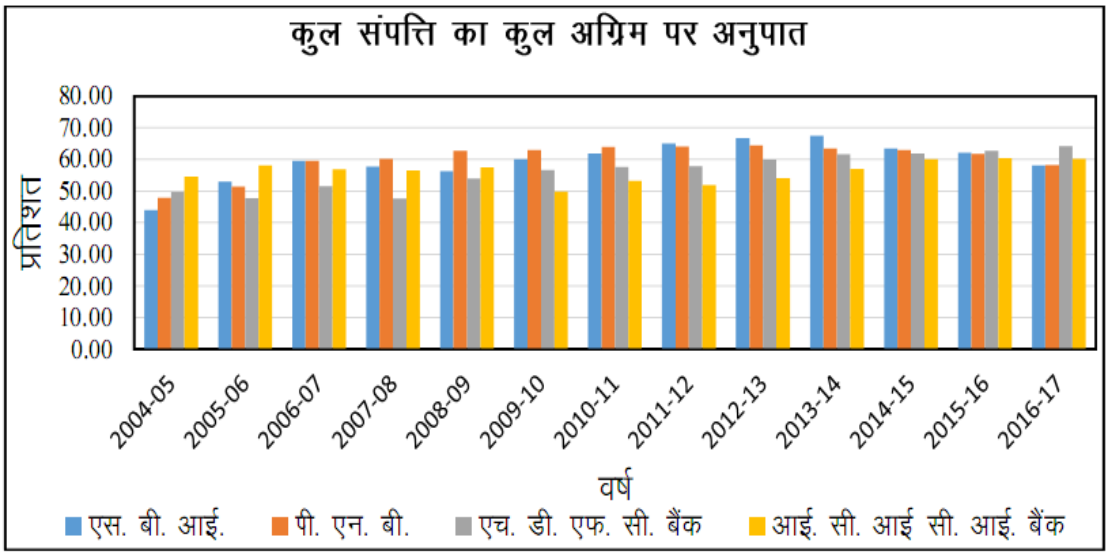

निर्वाचन – उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात वर्ष 2013-14 में एसबीआई का 67.68 है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है तथा वर्ष 2004-05 में एसबीआई का कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात 44.01% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है।

H_{02}: चयनित बैंकों की कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.10 है जो कि 0.05 से अधिक है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकों की कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात में सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य है।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.10 है जो कि 0.05 से अधिक है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकों की कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात में सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य है।

शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपात				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	2.65	0.20	0.24	1.65
2005-06	1.88	0.29	0.44	0.72
2006-07	1.56	0.76	0.43	1.02
2007-08	1.78	0.64	0.47	1.55
2008-09	1.79	0.17	0.63	2.09
2009-10	1.72	0.53	0.31	2.12
2010-11	1.63	0.85	0.19	1.11
2011-12	1.82	1.52	0.18	0.73
2012-13	2.10	2.35	0.20	0.77
2013-14	2.57	2.85	0.27	0.97
2014-15	2.12	4.06	0.25	1.61
2015-16	3.81	8.61	0.28	2.98
2016-17	3.71	7.81	0.33	5.43
माध्य	2.24	2.36	0.32	1.75

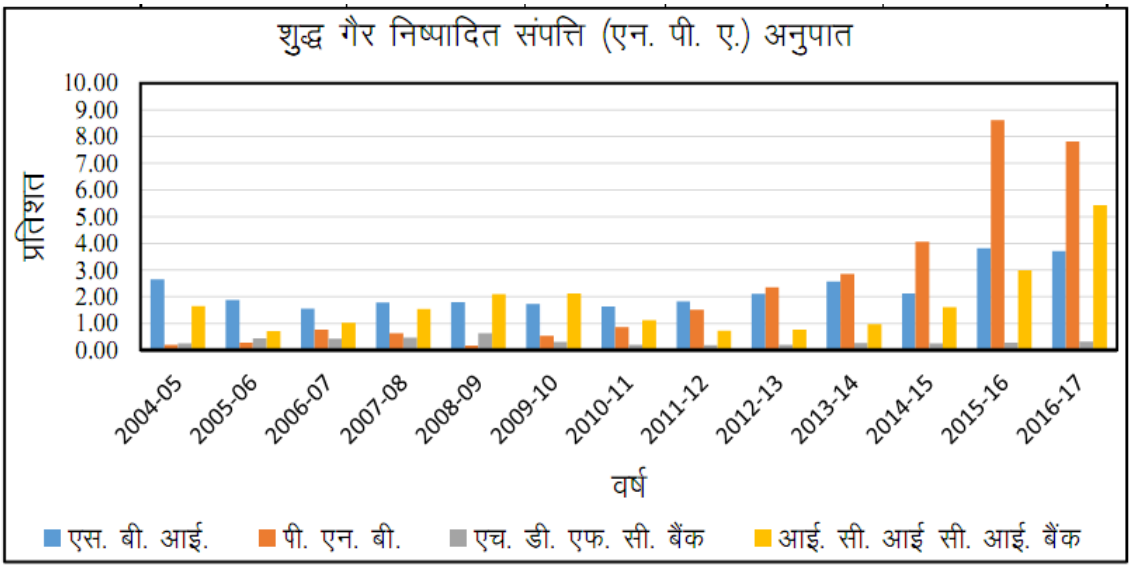

निर्वाचन - उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन.पी.ए.) अनुपात वर्ष 2015-16 में पीएनबी बैंक का 8.61% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में

सबसे अधिक है तथा वर्ष 2011-12 में एचडीएफसी बैंक का शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपात 0.18% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है।

H_{03}: चयनित बैंकों की शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन. पी. ए.) अनुपातमें कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.00 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकौं के शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन.पी.ए.) अनुपात में सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

समता पर प्रत्याय				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	19.43	21.41	18.45	18.86
2005-06	17.04	16.41	17.74	14.33
2006-07	15.41	15.55	19.46	13.17
2007-08	16.75	18.01	17.74	11.63
2008-09	17.05	22.92	17.17	7.80
2009-10	14.80	24.12	16.30	7.96
2010-11	12.62	22.60	16.74	9.65
2011-12	15.72	19.80	18.69	11.20
2012-13	15.43	15.70	20.34	13.10
2013-14	10.03	9.75	21.28	14.02
2014-15	10.62	8.17	19.37	14.55
2015-16	7.30	-10.27	18.26	11.43
2016-17	6.31	3.31	17.95	10.33
माध्य	13.73	14.42	18.42	12.16

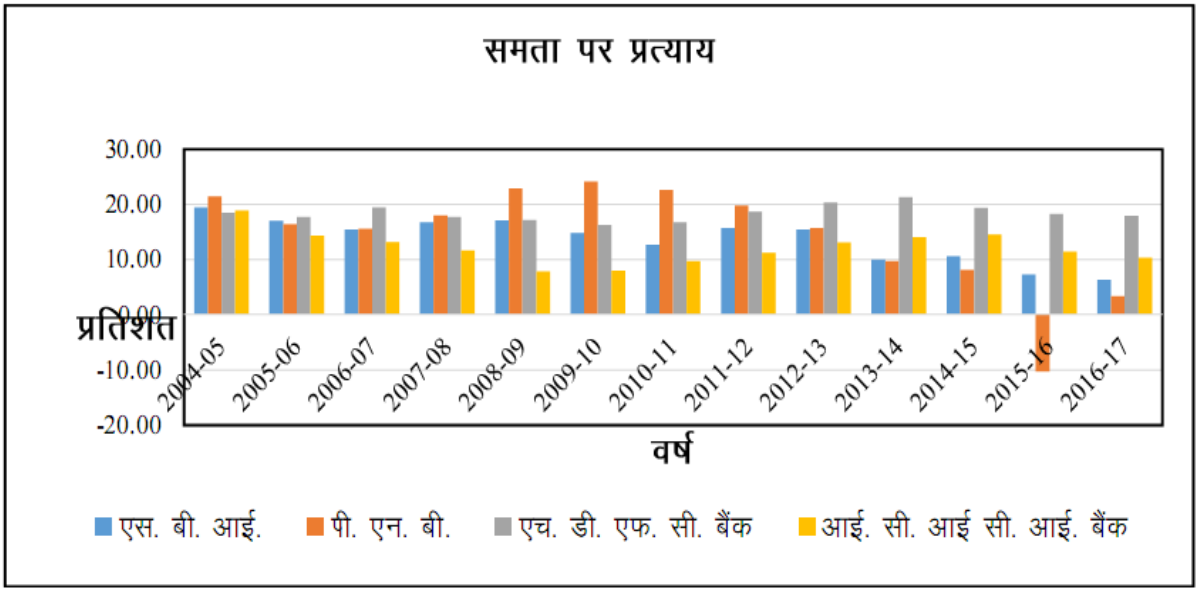

निर्वाचन - उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि समता पर प्रत्याय वर्ष 2009-10 में पीएनबी बैंक का 24.12 है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है तथा वर्ष 2015-16 में पीएनबी का समता पर प्रत्याय (-10.27%) हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है। वर्ष 2015-16 में पीएनबी बैंक लाभ ना होकर हानि हुई थी।

H_{04}: चयनित बैंकों की समता पर प्रत्याय में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.04 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकों की समता पर प्रत्याय में सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

संपत्ति पर प्रत्याय				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	0.99	1.17	1.47	1.59
2005-06	0.89	1.09	1.38	1.30
2006-07	0.84	1.03	1.33	1.09
2007-08	1.01	1.15	1.32	1.12
2008-09	1.04	1.39	1.28	0.98
2009-10	0.88	1.44	1.53	1.13
2010-11	0.71	1.34	1.58	1.35
2011-12	0.88	1.19	1.77	1.50
2012-13	0.97	1.00	1.90	1.70
2013-14	0.65	0.64	2.00	1.78
2014-15	0.68	0.53	2.02	1.86
2015-16	0.46	-0.61	1.92	1.49
2016-17	0.41	0.19	1.88	1.35
माध्य	0.80	0.89	1.64	1.40

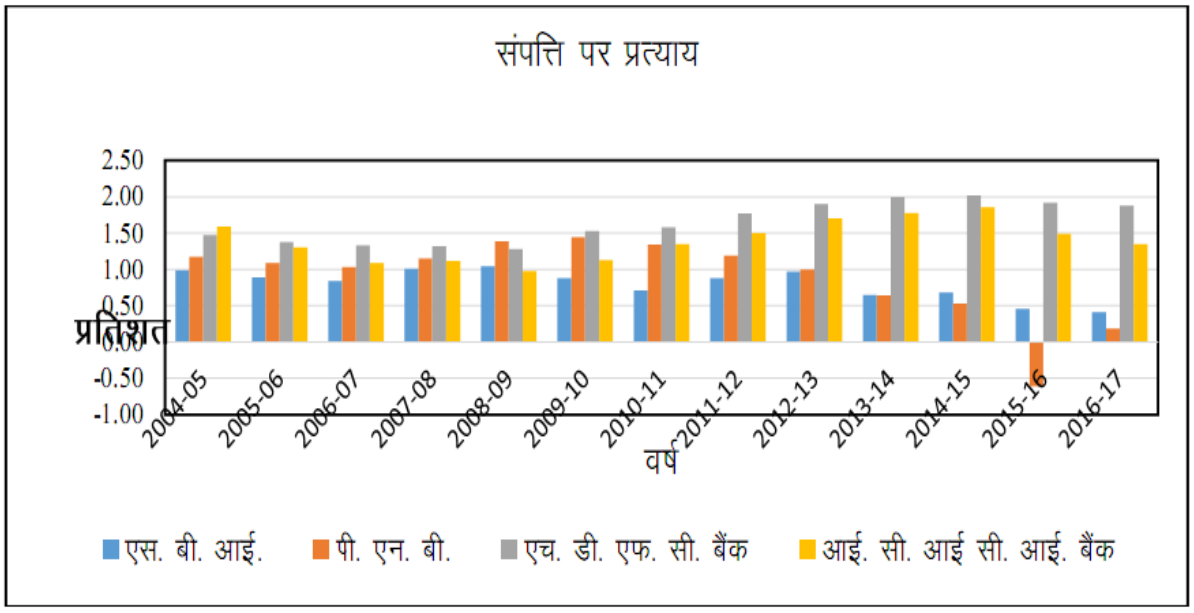

निर्वाचन - उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि संपत्ति पर प्रत्याय वर्ष 2014-15 में एचडीएफसी बैंक का 2.02% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है तथा वर्ष 2015-16 में पीएनबी का संपत्ति पर प्रत्याय (-0.61%) हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है। वर्ष 2015-16 में पीएनबी बैंक लाभ ना होकर हानि हुई थी।

H_{05}: चयनित बैंकों की संपत्ति पर प्रत्यायमें कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.00 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकौं की संपत्ति पर प्रत्यायमें सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

लागत का आय पर अनुपात				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	47.83	57.69	44.68	52.74
2005-06	50.92	50.89	46.08	56.26
2006-07	54.18	47.90	48.56	53.25
2007-08	49.03	46.81	49.87	50.60
2008-09	46.62	42.50	51.65	44.11
2009-10	52.59	39.39	48.02	37.58
2010-11	47.60	41.27	48.08	42.24
2011-12	45.23	39.75	49.70	43.05
2012-13	48.51	42.81	49.58	40.58
2013-14	52.67	45.06	45.61	38.32
2014-15	49.04	46.74	44.56	36.83
2015-16	49.13	46.79	44.28	34.70
2016-17	47.75	39.17	43.37	35.78
माध्य	49.32	45.14	47.23	43.54

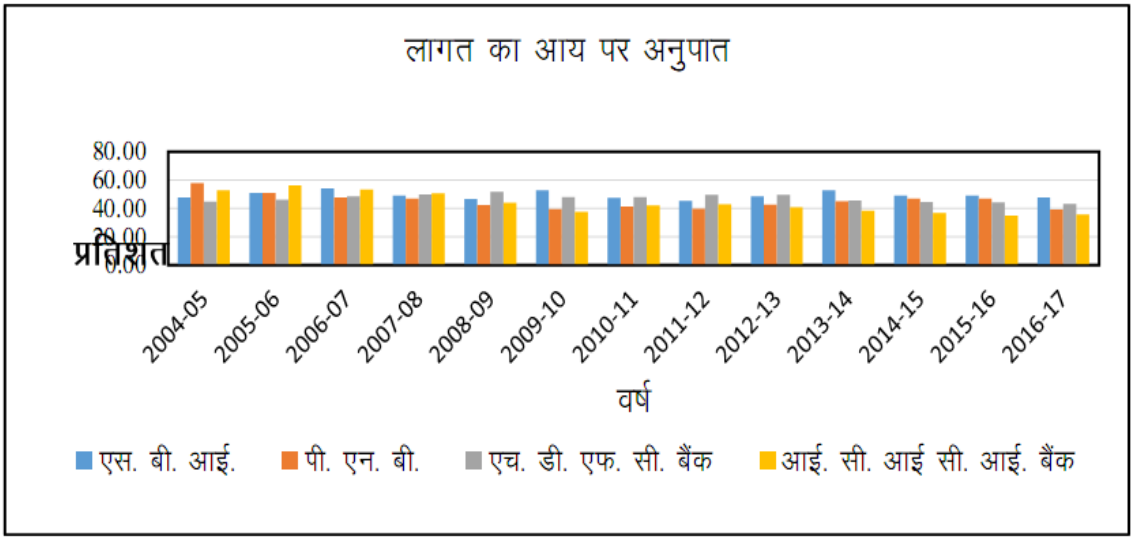

निर्वाचन - उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि लागत का आय पर अनुपात वर्ष 2004-05 में पीएनबी बैंक का 57.69% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है तथा वर्ष 2015-16 में आईसीआईसीआई बैंक का लागत का आय पर अनुपात 34.70% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है।

H_{06} : चयनित बैंकों की लागत का आय पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.02 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकौं की लागत का आय पर अनुपात में सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

शुद्ध ब्याज सीमांत				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	3.21	3.51	3.79	1.94
2005-06	3.27	3.44	4.08	2.25
2006-07	2.84	3.39	4.21	1.89
2007-08	2.64	3.06	4.66	1.96
2008-09	2.48	3.06	4.69	2.15
2009-10	2.35	3.12	4.13	2.19
2010-11	2.86	3.50	4.22	2.34
2011-12	3.38	3.21	4.19	2.40
2012-13	3.06	3.17	4.28	2.70
2013-14	2.93	3.14	4.14	2.91
2014-15	2.86	2.87	4.14	3.07
2015-16	2.64	2.41	4.25	3.11
2016-17	2.44	2.16	4.13	2.91
माध्य	2.84	3.08	4.22	2.45

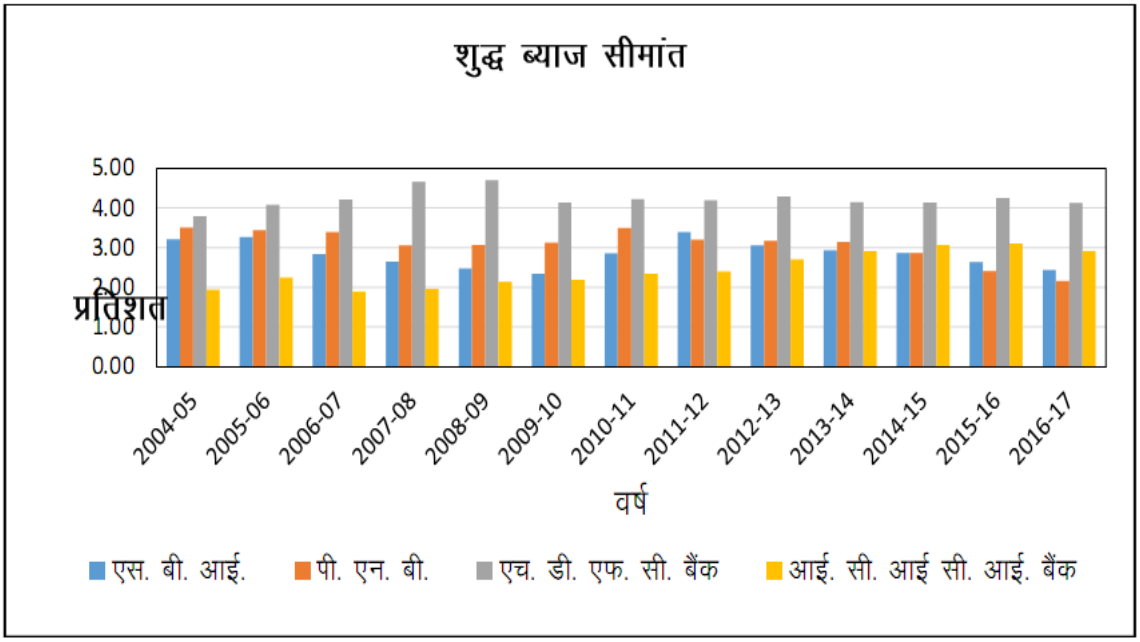

निर्वाचन - उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि शुद्ध ब्याज सीमांत वर्ष 2008-09 में एचडीएफसी बैंक का 4.69% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है तथा वर्ष 2006-07 में आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध ब्याज सीमांत 1.89% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है।

H_{07}: चयनित बैंकों की शुद्ध ब्याज सीमांत में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.00 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंको की शुद्ध ब्याज सीमांत में सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात

वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	8.55	8.78	8.70	7.71
2005-06	9.02	17.07	9.41	6.78
2006-07	9.17	9.63	9.92	10.77
2007-08	9.35	9.46	11.10	9.52
2008-09	10.83	8.67	9.55	7.90
2009-10	8.18	7.91	13.46	10.70

2010-11	10.04	7.85	10.70	8.39
2011-12	7.28	6.29	6.20	7.41
2012-13	7.33	5.67	6.81	7.72
2013-14	7.39	8.22	8.05	6.98
2014-15	7.56	9.27	6.15	6.55
2015-16	7.10	11.33	5.25	8.31
2016-17	6.36	12.26	5.67	9.81
माध्य	8.32	9.42	8.54	8.35

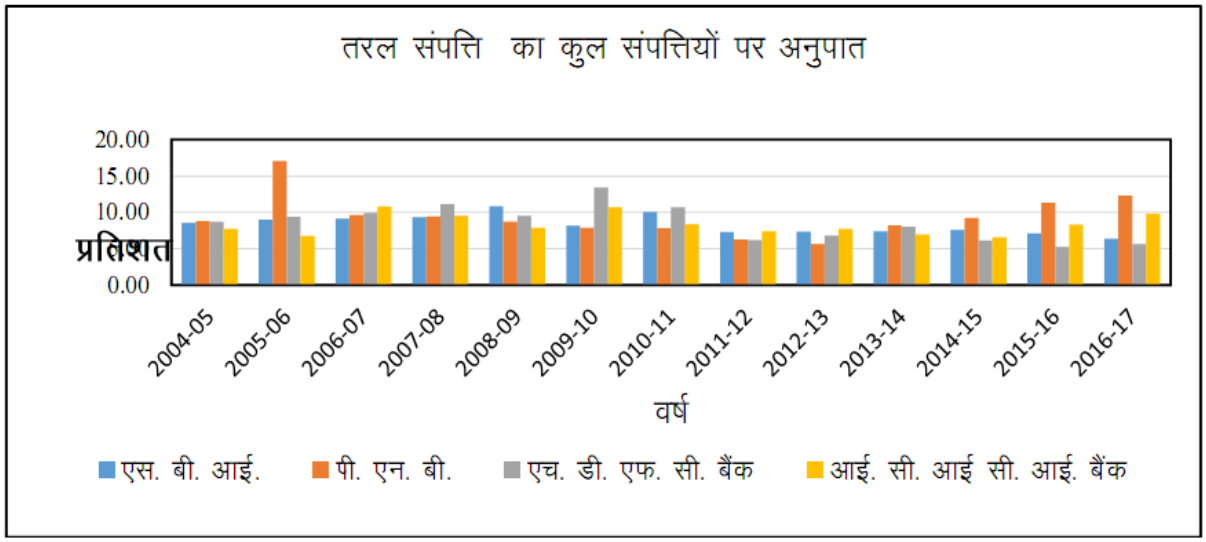

निर्वाचन – उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात वर्ष 2009-10 में एचडीएफसी बैंक का 13.46% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे अधिक है तथा वर्ष 2015-16 में एचडीएफसी बैंक का तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात 5.25% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है।

H_{08}: चयनित बैंकों की तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.52 है जो कि 0.05 से अधिक है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकौं की तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात में सार्थक अन्तर नही हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य है।

तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात				
वर्ष	एस. बी. आई.	पी. एन. बी.	एच. डी. एफ. सी. बैंक	आई. सी. आई सी. आई. बैंक
2004-05	10.71	10.75	12.31	12.95
2005-06	11.72	20.71	12.40	10.32
2006-07	11.93	11.19	13.25	16.10
2007-08	12.55	11.31	14.67	15.56
2008-09	14.07	10.21	12.26	13.72
2009-10	10.72	9.41	17.89	19.24
2010-11	13.16	9.49	14.22	15.11
2011-12	9.31	7.59	8.49	14.18
2012-13	9.55	6.93	9.21	14.15
2013-14	9.51	10.02	10.78	12.51
2014-15	9.81	11.16	8.06	11.70
2015-16	9.68	13.67	7.12	14.21
2016-17	8.41	14.21	7.61	15.45
माध्य	10.86	11.28	11.40	14.25

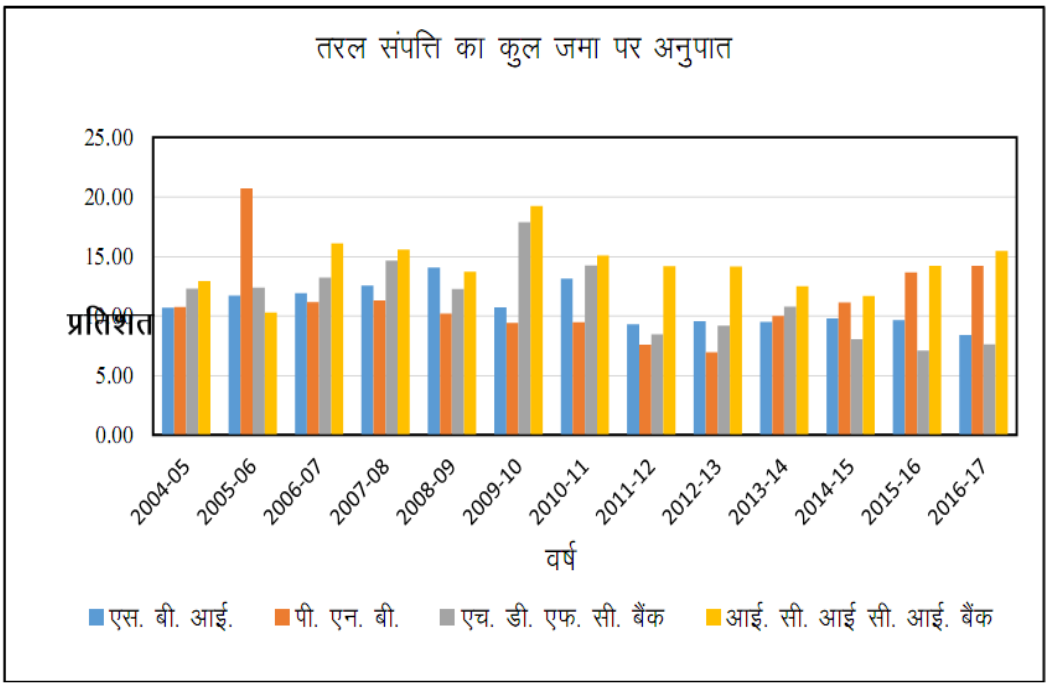

निर्वाचन – उपर्युक्त तालिका एवं चित्र से स्पष्ट हो रहा हैं कि तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात वर्ष 2005-06 में पीएनबी बैंक का 20.71% है जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में

सबसे अधिक है तथा वर्ष 2012-13 में पीएनबी बैंक का तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात 6.93% हैं जो सभी चयनित बैंकों की तुलना में सबसे निम्न है।

H_{09}: चयनित बैंकों की तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

निर्वाचन - सांख्यिकीय तकनीक अनोव से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है के परिकलित पी-वेल्यू का मान 0.01 है जो कि 0.05 से कम है जो यह दर्शाता है कि चयनित बैंकों की तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात में सार्थक अन्तर हैं। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य नहीं है।

निष्कर्ष

(क) शोध में पाया गया की एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की पूंजी पर जोखिम भारित आस्तियों के अनुपात में सार्थक अन्तर हैं।

(ख) एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की कुल संपत्ति का कुल अग्रिम पर अनुपात में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया हैं।

(ग) एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शुद्ध गैर निष्पादित संपत्ति (एन.पी.ए.) अनुपात में सार्थक अन्तर पाया गया हैं।

(घ) एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की समता पर प्रत्याय में सार्थक अन्तर पाया गया हैं। एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी

(च) बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की संपत्ति पर प्रत्यायमें सार्थक अन्तर हैं।

(छ) एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की लागत का आय पर अनुपात में सार्थक अन्तर पाया गया हैं। एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की शुद्ध ब्याज सीमांत में सार्थक अन्तर पाया गया हैं।

(ज) एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की तरल संपत्ति का कुल संपत्तियों पर अनुपात में सार्थक अन्तर नही पाया गया हैं।

(झ) एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की तरल संपत्ति का कुल जमा पर अनुपात में सार्थक अन्तर पाया गया हैं। अतः हम कह सकते है कि एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की वित्तीय

निष्पादन क्षमता में सार्थक अन्तर हैं।

सन्दर्भ

[1] Adam, M. H. (2014). Evaluating the Financial Performance of Banks Using Financial Ratios- A Case Study of Erbil Bank for Investment and Finance. European Journal of Accounting Auditing and Finance Research ,2 (6), pp. 162-177.

[2] Almazari, A. A. (2012). Financial Performance Analysis of the Jordanian Arab Bank by Using the DuPont System of Financial Analysis. International Journal of Economics and Finance , 4 (4), pp. 86-94.

[3] Balagurusamy, A. (2017). Analysis of capital adequacy of public sector banks in india. International Journal of Current Research and Modern Education , 2 (2), pp. 127-131.

[4] Karthick, C., & Banupriya, L. (2017). A study on performance analysis of selected private banks using camel model. IJARIIE , 3 (2), pp. 2349-2352.

[5] Lall, M., & Agarwal, R. (2017). A camel model analysis of select public sector banks in india. International Journal of Economic and Business Review , 5 (4), pp. 153-162.

[6] Singh, A. K. (2015). An analysis of profitability position of private bank in India. International Journal of Scientific and Research Publications , 5 (5), pp. 1-10.

[7] Tanveer, S., Bhatti, W. K., Khuram, S., & Shahza, F. (2018). Examining the financial performance of banks using camel approach. WALIA journal , 34 (1), pp. 32-37

[8] Thangam, D. V., & K.Salini. (2016). Profitability Analysis of Selected Public and Private Banks in India. International Journal of Scientific Engineering and Applied Science, 2 (2), pp. 393-403.